Series **E1GFH/1**

Set No. 2

प्रश्न-पत्र कोड **2/1/2**

अनुक्रमांक

परीक्षार्थी प्रश्न-पत्र कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें ।

हिन्दी (आधार)

HINDI (Core)

निर्धारित समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 80*

नोट

(I)	*कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न–पत्र में मुद्रित पृष्ठ **15** हैं ।*
(II)	*प्रश्न–पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए प्रश्न–पत्र कोड को परीक्षार्थी उत्तर–पुस्तिका के मुख–पृष्ठ पर लिखें ।*
(III)	*कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न–पत्र में **13** प्रश्न हैं ।*
(IV)	***कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, उत्तर–पुस्तिका में प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें ।***
(V)	*इस प्रश्न–पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है । प्रश्न–पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जाएगा । 10.15 बजे से 10.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न–पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर–पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे ।*

सामान्य निर्देश :

निम्नलिखित निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका सख़्ती से अनुपालन कीजिए :

(i) *इस प्रश्न-पत्र में कुल **13** प्रश्न हैं । सभी प्रश्नों के उत्तर देना **अनिवार्य** है ।*

(ii) *इस प्रश्न-पत्र में **दो** खण्ड हैं – **खण्ड अ** और **खण्ड ब** ।*

(iii) ***खण्ड अ** में **45** बहुविकल्पी/वस्तुपरक उप-प्रश्न पूछे गए हैं, जिनमें से केवल **40** उप-प्रश्नों के उत्तर लिखने हैं ।*

(iv) ***खण्ड ब** में वर्णनात्मक प्रश्न पूछे गए हैं । प्रश्नों के उचित आंतरिक विकल्प दिए गए हैं ।*

(v) *प्रश्नों के उत्तर दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए लिखिए ।*

(vi) *यथासंभव दोनों खण्डों के प्रश्नों के उत्तर क्रमशः लिखिए ।*

खण्ड अ
(बहुविकल्पी/वस्तुपरक प्रश्न)

1. निम्नलिखित काव्यांशों में से किसी ***एक*** काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : *5×1=5*

काव्यांश – 1

(क) वंदनीय तू कर्ण, देखकर तेज तिग्म अति तेरा,
काँप उठा था आते ही देवत्वपूर्ण मन मेरा ।
किन्तु, अभी तो तुझे देख मन और डरा जाता है,
हृदय सिमटता हुआ आप ही आप भरा जाता है ।

दीख रहा तू मुझे ज्योति के उज्ज्वल शैल अचल-सा
कोटि-कोटि जन्मों के संचित महापुण्य के फल-सा
त्रिभुवन में जिन अमित योगियों का प्रकाश जगता है
उनके पूँजीभूत रूप-सा तू मुझको लगता है ।

खड़े दीखते जगतनियंता पीछे तुझे गगन में
बड़े प्रेम से लिए तुझे ज्योतिर्मय आलिंगन में
दान, धर्म, अगणित व्रत-साधन, योग, यज्ञ, तप तेरे
सब प्रकाश बन खड़े हुए हैं तुझे चतुर्दिक घेरे

मही मग्न हो तुझे अंक में लेकर इठलाती है
मस्तक सूँघ स्वत्व अपना यह कहकर जतलाती है
इसने मेरे अमित मलिन पुत्रों का दुख मेटा है,
सूर्यपुत्र यह नहीं, कर्ण मुझ दुखिया का बेटा है ।

(i) 'हृदय सिमटता हुआ आप ही आप भरा जाता है ।' — पंक्ति में 'हृदय सिमटने' का क्या आशय है ?

(a) आनंदित होना
(b) संकुचित होना
(c) दुखी होना
(d) प्रायश्चित होना

(ii) काव्यांश में 'जगतनियंता' से किसे संबोधित किया गया है ?

(a) चन्द्रमा को

(b) ब्रह्मा को

(c) कृष्ण को

(d) सूर्य को

(iii) दान, धर्म, व्रत तथा योग किस रूप में कर्ण को चारों ओर से सुरक्षित किए हुए है ?

(a) भक्ति रूप में

(b) प्रकाश रूप में

(c) ऊर्जा रूप में

(d) धर्म रूप में

(iv) 'मही' का अर्थ है :

(a) धरती

(b) आकाश

(c) आग

(d) गोद

(v) सूर्यपुत्र यह नहीं, कर्ण मुझ दुखिया का बेटा है — काव्य-पंक्ति में 'मुझ' का प्रयोग किसके लिए किया गया है ?

(a) कुंती

(b) राधा

(c) पृथ्वी

(d) अधिरथ

अथवा

काव्यांश – 2

(ख) जो नर आत्म-दान से अपना जीवन-घट भरता है
वही मृत्यु के मुख में भी पड़कर न कभी मरता है ।
जहाँ कहीं है ज्योति जगत में, जहाँ कहीं उजियाला
वहाँ खड़ा है कोई अंतिम मोल चुकाने वाला ।।

दिया अस्थि देकर दधीचि ने, शिवि ने अंग कतर कर,
हरिश्चन्द्र ने कफ़न माँगते हुए सत्य पर अड़ कर ।
ईसा ने संसार-हेतु शूली पर प्राण गँवा कर
अंतिम मूल्य दिया गाँधी ने तीन गोलियाँ खाकर

हँसकर लिया मरण ओठों पर, जीवन का व्रत पाला,
अमर हुआ सुकरात जगत में पीकर विष का प्याला ।
मरकर भी मनसूर नियति की सह पाया ना ठिठोली,
उत्तर में सौ बार चीखकर बोटी-बोटी बोली ।

दान जगत का प्रकृत धर्म है, मनुज व्यर्थ डरता है
एक रोज तो हमें स्वयं सब-कुछ देना पड़ता है ।
बचते वही, समय पर जो सर्वस्व दान करते हैं
ऋतु का ज्ञान नहीं जिनको, वे देकर भी मरते हैं ।

(i) संसार में अमर पद को प्राप्त करने के लिए आवश्यक है :

(a) आत्मदान करना

(b) परोपकार करना

(c) त्याग करना

(d) आत्मोत्सर्ग करना

(ii) सत्य पर अडिग रहने वाले महापुरुषों में किसका नाम अमर है ?

(a) राम

(b) कृष्ण

(c) शिवि

(d) हरिश्चन्द्र

(iii) 'ऋतु का ज्ञान नहीं जिनको, वे देकर भी मरते हैं' — काव्य-पंक्ति में 'ऋतु' शब्द का क्या अर्थ है ?

(a) मौसम

(b) परम्परा

(c) समय

(d) रीति

(iv) कवि के अनुसार संसार में कौन बच जाता है ?

(a) शासक

(b) अमीर

(c) दानी

(d) कृपण

(v) काव्यांश में कवि ने महापुरुषों का उल्लेख क्यों किया है ?

(a) उनका परिचय देने के लिए

(b) उनसे सीख लेने के लिए

(c) त्याग और दान की महिमा जानने के लिए

(d) धर्म की वास्तविकता को जानने के लिए

2. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प को चुनकर लिखिए : *10×1=10*

वैश्विक महामारी, संघर्ष और प्राकृतिक आपदा के बीच पूरा विश्व अवसाद से गुजर रहा है । औद्योगिक क्रांति की लहर के कारण पृथ्वी की पारिस्थितिकी और इंसानों के पर्यावरण के साथ संबंधों में एक नया और उल्लेखनीय मोड़ आया । करीब पाँच हज़ार वर्ष पहले हुए कृषि क्रांति ने समाज को भोजन और स्थायित्व प्रदान किया था । पहली औद्योगिक क्रांति 250 साल पहले हुई थी जो मुख्यत: कोयले और भाप के साथ हुई थी; दूसरी औद्योगिक क्रांति बिजली और तेल के साथ तथा तीसरी कम्प्यूटर और सहायक सामग्रियों के साथ और अब चौथी औद्योगिक क्रांति में भौतिक, डिजिटल और तकनीकी दुनिया में प्रौद्योगिकी का सम्मिश्रण है । बीसवीं शताब्दी के दौरान परमाणु बमों के विस्फोट के साथ मानवता ने नए युग में प्रवेश किया । हमने स्वयं के विनाश करने की शक्ति पा ली यह सुनिश्चित किए बिना कि हम ऐसा होने से रोक सकते थे ।

एक ऐसी दुनिया की कल्पना करना भी मुश्किल है जहाँ देश शक्ति और प्रभुत्व के लिए प्रतिस्पर्धा नहीं करेंगे । विस्तृत औद्योगीकरण, कारखानों के प्रसार, सड़कों के निर्माण के लिए जंगलों के कटाव, विशाल बाँधों और विस्तृत उत्पादन आदि के लिए नदियों को रोकने, यातायात के साधनों की गतिविधियों और लोगों के पलायन ने पारिस्थितिकी में गंभीर गड़बड़ी पैदा की है । जिसके फलस्वरूप पर्यावरण परिवर्तन और भूमंडलीय ताप में वृद्धि को नकारा नहीं जा सकता है ।

आज प्रकृति और विश्व-शांति दोनों ही ख़तरे में हैं । विकास ने भू-राजनीति के साथ मिलकर मानवता को ख़तरे में डाल दिया है । और हमें यह नहीं पता कि वर्तमान की संकटमय परिस्थिति के आत्मघाती तरीकों से कैसे उबरा जाए ?

आज मानव अस्तित्व को ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन से ख़तरा हो रहा है और इसमें इतनी क्षमता है कि दुनिया के विभिन्न हिस्सों के अरबों लोगों के जीवन और निवास स्थान को नुकसान पहुँच सकता है । पारिस्थितिकी संरक्षण और जलवायु-परिवर्तन की भयावह चुनौतियाँ दहला देने वाली हैं । अब इस बात की आवश्यकता है कि हमारी सोच और व्यवहार में बदलाव लाया जाए । इस मुद्दे का केन्द्र बिन्दु यह है कि हम अपनी सभ्यता की प्रक्रिया के संरक्षण के लिए किस प्रकार नए और संवेदनशील निर्माण की ओर बढ़ सकते हैं ।

(i) मानव अस्तित्व को सबसे अधिक ख़तरा किससे है ?

- (a) जलवायु परिवर्तन से
- (b) औद्योगीकरण से
- (c) बढ़ती महामारी से
- (d) प्रदूषण से

(ii) पारिस्थितिकी संरक्षण के लिए सबसे ठोस उपाय हो सकता है :

- (a) कड़े कानून लागू करना
- (b) औद्योगीकरण पर पाबंदी
- (c) सोच और व्यवहार में बदलाव
- (d) जागरूकता

(iii) 'पृथ्वी की पारिस्थितिकी' से आप क्या समझते हैं ?

(a) पृथ्वी की बनावट

(b) धरती पर जीवन

(c) प्रकृति और पर्यावरण

(d) पर्यावरण में संतुलन

(iv) कृषि-क्रांति से जीवन पर किस प्रकार का प्रभाव पड़ा ?

(a) जीवन में संपन्नता आ गईं

(b) अन्न का पैदावार होने लगा

(c) उत्तम कृषि की तलाश में भटकाव

(d) भोजन और स्थिरता प्राप्त हुई

(v) कम्प्यूटर का विकास किस औद्योगिक क्रांति में हुआ ?

(a) पहली

(b) दूसरी

(c) तीसरी

(d) चौथी

(vi) बीसवीं शताब्दी में हमने अपने विनाश की शक्ति खोजी है, कैसे ?

(a) परमाणु बम बनाकर

(b) प्रौद्योगिकी विकास कर

(c) तकनीकी विकास कर

(d) डिजिटल दुनिया में प्रवेश कर

(vii) प्रतिस्पर्धाविहीन दुनिया की कल्पना करना कठिन क्यों है ?

(a) प्रतियोगिता में बने रहने की इच्छा

(b) प्रभुत्व स्थापित करने की इच्छा

(c) त्याग की भावना का अभाव

(d) संतोष की भावना का अभाव

(viii) गद्यांश के आधार पर पारिस्थितिकी तंत्र में बदलाव के लिए किसे उत्तरदायी ***नहीं*** ठहराया जा सकता ?

(a) जंगलों का कटाव

(b) लोगों का पलायन

(c) प्राकृतिक आपदा

(d) विस्तृत औद्योगीकरण

(ix) आपकी दृष्टि में लोगों के पलायन का प्रमुख कारण क्या हो सकता है ?

(a) स्थायित्व की खोज

(b) भय से मुक्त जीवन

(c) बेहतर जीवन की तलाश

(d) आवागमन की सुविधा

(x) पर्यावरण परिवर्तन में आप किसकी प्रमुख भूमिका मानते हैं ?

(a) जनसंख्या वृद्धि

(b) औद्योगीकरण

(c) प्राकृतिक आपदा

(d) मानवीय गतिविधियाँ

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर देने के लिए सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प का चयन कर लिखिए : *5×1=5*

(i) यूरोप के पुनर्जागरण में आप किसकी भूमिका को प्रमुख मानते हैं ?

(a) छापाखाना

(b) समाचार-पत्र

(c) औद्योगिक क्रांति

(d) नेता

(ii) अख़बारों की पुरानी फाइलों को सहजतापूर्वक खोजने का अवसर हमें प्राप्त होता है :

(a) प्रेस से

(b) दूरदर्शन से

(c) इंटरनेट से

(d) पुस्तकालय से

(iii) पत्रकारीय लेखन का संबंध आप किससे मानते हैं ?

(a) वास्तविक घटनाओं से

(b) साहित्यिक लेखन से

(c) सृजनात्मक लेखन से

(d) प्रभावकारी विचारों से

(iv) 'उलटा पिरामिड' शैली का संबंध है :

(a) फ़ीचर लेखन से

(b) आलेख लेखन से

(c) समाचार लेखन से

(d) कथा लेखन से

(v) विशेष लेखन की भाषा शैली किस तरह की होती है ?

(a) सामान्य लेखन की तरह

(b) समाचार लेखन की तरह

(c) सामान्य लेखन से अलग

(d) आलंकारिक भाषा का प्रयोग

4. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : *5×1=5*

बच्चे प्रत्याशा में होंगे,
नीड़ों से झाँक रहे होंगे
यह ध्यान परों में चिड़ियों के भरता कितनी चंचलता है
दिन जल्दी-जल्दी ढलता है ।
मुझसे मिलने को कौन विकल ?
मैं होऊँ किसके हित चंचल ?
यह प्रश्न शिथिल करता पद को, भरता उर में विह्वलता है
दिन जल्दी-जल्दी ढलता है ।

(i) पक्षी अपने घर की ओर तेजी से क्यों लौट रहे हैं ?

(a) बच्चों की व्याकुलता के कारण

(b) सायंकाल हो जाने के कारण

(c) रात के अंधकार के कारण

(d) पैरों की शिथिलता के कारण

(ii) कवि, घर लौटने की शीघ्रता में नहीं दिखाई दे रहा है, क्योंकि :

(a) उसके पास घर नहीं है ।

(b) वह किसी के लिए चिन्तित नहीं है ।

(c) वह अपने घर पर ही है ।

(d) उसका कोई अपना नहीं है ।

(iii) बच्चे घोंसले से क्यों झाँक रहे हैं ?

(a) भोजन की प्रतीक्षा में

(b) माँ की प्रतीक्षा में

(c) रात हो जाने की आशंका से

(d) बाहरी भय की आशंका से

(iv) "पैरों का शिथिल होना" — का आशय है :

(a) रुक जाना

(b) आलस्य होना

(c) थकावट होना

(d) उत्साह नहीं होना

(v) कवि की बेचैनी का कारण है :

(a) उसका अधूरापन

(b) उसका अकेलापन

(c) उसका आवारापन

(d) उसकी भावुकता

5. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : *5×1=5*

रात्रि की विभीषिका को सिर्फ पहलवान की ढोलक ही ललकार कर चुनौती देती रहती थी । पहलवान संध्या से सुबह तक, चाहे जिस ख़याल से ढोलक बजाता हो, किन्तु गाँव के अर्धमृत, औषधि-उपचार-पथ्य-विहीन प्राणियों में वह संजीवनी शक्ति ही भरती थी । बूढ़े बच्चों-जवानों की शक्तिहीन आँखों के आगे दंगल का दृश्य नाचने लगता था । स्पंदन-शक्ति-शून्य स्नायुओं में भी बिजली दौड़ जाती थी । अवश्य ही ढोलक की आवाज में न तो बुखार हटाने का कोई गुण था और न महामारी की सर्वनाश शक्ति को रोकने की शक्ति ही, पर इसमें संदेह नहीं कि मरते हुए प्राणियों को आँख मूँदते समय कोई तकलीफ नहीं होती थी, मृत्यु से वे डरते नहीं थे ।

(i) रात्रि की विभीषिका से आप क्या समझते हैं ?
- (a) रात का अँधेरा
- (b) रात का अकेलापन
- (c) रात की त्रासदी
- (d) रात का सूनापन

(ii) 'संजीवनी शक्ति' का अभिप्राय है :
- (a) जीने की शक्ति
- (b) शक्ति की औषधि
- (c) पुन: जीवित करने वाली काल्पनिक शक्ति
- (d) जीवन धारण करने वाली काल्पनिक शक्ति

(iii) शक्तिहीन आँखों में दंगल का दृश्य नाचने का क्या प्रभाव पड़ता था ?
- (a) लड़ने को तत्पर करना
- (b) उठ खड़ा होना
- (c) ऊर्जा का संचार करना
- (d) आँखों में चमक आना

(iv) ढोलक की आवाज मरने वाले की सहायता किस प्रकार करती थी ?
- (a) मृत्यु-भय से मुक्ति दिलवाकर
- (b) कष्ट से मुक्ति दिलवाकर
- (c) महामारी से मुक्ति दिलवाकर
- (d) माया-मोह से मुक्ति दिलवाकर

(v) गद्यांश से यह पता चलता है कि :

(a) रात का दृश्य भयानक था ।

(b) गाँव के लोग बहुत ग़रीब थे ।

(c) गाँव महामारी की चपेट में था ।

(d) पहलवान रातभर ढोलक बजाता था ।

6. पूरक पाठ्य-पुस्तक पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : *10×1=10*

(i) यशोधर बाबू ने झेंपते हुए खुश होने की अदा किससे सीखी थी ?

(a) अपनी पत्नी से

(b) किशन दा से

(c) चड्ढा से

(d) अपने पिता से

(ii) यशोधर बाबू गोल मार्केट छोड़ना क्यों नहीं चाहते थे ?

(a) बड़ा घर होने के कारण

(b) किशन दा के प्रति विश्वास

(c) क्षेत्र विशेष से प्रेम के कारण

(d) यादें जुड़ी होने के कारण

(iii) सिल्वर वैडिंग की पार्टी देना यशोधर बाबू को 'समहाउ इंप्रोपर' क्यों लग रहा था ?

(a) पुराने ख्याल के होने के कारण

(b) विदेशी 'कस्टम' मानने के कारण

(c) दिखावे में विश्वास न रखने के कारण

(d) पार्टी में होने वाले खर्च के कारण

(iv) 'जूझ' कहानी में लेखक के पिता पाठशाला से अधिक महत्त्व खेत तथा ढोर चराने को क्यों देते थे ?

(a) स्वयं अशिक्षित होने से

(b) खेतों से फ़सल मिलने से

(c) शिक्षा के महत्त्व को नहीं समझने से

(d) पढ़ने को बेकार का काम समझने से

(v) पाठशाला में पहुँचने के बाद लेखक का मन खट्टा क्यों हो गया ?

(a) पढ़ाई में मन नहीं लगने के कारण

(b) पहचान के लड़के नहीं होने के कारण

(c) साथियों के अगली कक्षा में चले जाने के कारण

(d) अपने से कम उम्र और अक्ल के बच्चों के साथ बैठने की मजबूरी के कारण

(vi) पाठशाला में सहपाठियों द्वारा तंग किए गए लेखक की तुलना किससे की गई है ?

(a) घायल गिलहरी से

(b) चूहा से

(c) कोयल से

(d) कौआ से

(vii) लेखक का पाठशाला में विश्वास बढ़ने के क्या कारण थे ?

(a) शिक्षकों का अपनत्व भरा व्यवहार

(b) वसंत की दोस्ती

(c) केवल (a)

(d) (a) और (b) दोनों

(viii) नगर नियोजन की अनूठी मिसाल किसे कहा गया है ?

(a) माया सभ्यता

(b) मुअनजो-दड़ो

(c) महाकुंड

(d) मेसोपोटामिया

(ix) आप किस आधार पर कह सकते हैं कि सिन्धु घाटी के दौर में व्यापार ही नहीं, उन्नत खेती भी होती थी ?

(a) गढ़ होने से

(b) बैलगाड़ी मिलने से

(c) कोठार होने से

(d) कुंड होने से

(x) मेसोपोटामिया के शिलालेखों में मुअनजो-दड़ो के लिए किस शब्द का प्रयोग हुआ है ?

(a) मेलुहा

(b) उलेहा

(c) गढ़

(d) शिव

खण्ड ब
(वर्णनात्मक प्रश्न)

7. निम्नलिखित दिए गए चार विषयों में से किसी ***एक*** विषय पर लगभग 120 शब्दों में रचनात्मक लेख लिखिए : *6*

(क) चलते-चलते पैरों में मोच आ जाना

(ख) जब मैट्रो की बिजली गुम हो गई

(ग) मैं और मेरा मित्र

(घ) पहाड़ी प्रदेश में एक दिन

8. निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर लगभग 80 शब्दों में लिखिए : *2×4=8*

(क) मुद्रित माध्यम से आप क्या समझते हैं ? मुद्रित माध्यमों की विशेषता पर अपने विचार व्यक्त कीजिए ।

(ख) समाचार लेखन के समय प्राय: किन प्रश्नों का जवाब देने की कोशिश की जाती है ? इन्हें किस रूप में जाना जाता है ? समाचार के मुखड़े, बॉडी और समापन में किन प्रश्नों को आधार बनाया जाता है ?

(ग) पत्रकारीय लेखन किसे कहते हैं ? पत्रकारों के विभिन्न प्रकारों का उल्लेख करते हुए पूर्णकालिक पत्रकार और स्वतंत्र पत्रकार के अंतर को स्पष्ट कीजिए ।

9. निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए : *2×3=6*

(क) कहानी के नाट्य रूपांतरण में संवाद लेखन की महत्त्वपूर्ण शर्तों को स्पष्ट कीजिए ।

(ख) रेडियो नाटक में आवाज की भूमिका को स्पष्ट कीजिए ।

(ग) नए और अप्रत्याशित विषयों पर लेखन की तुलना खुले मैदान से क्यों की गई है ?

10. काव्य खंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए : *2×3=6*

(क) 'लक्ष्मण-मूर्च्छा और राम का विलाप' प्रसंग के आधार पर लिखिए कि रावण की बात सुनकर कुंभकरण क्यों बिलखने लगा था ।

(ख) 'बादल राग' कविता के आधार पर लिखिए कि बादलों की रणभेरी को सुनकर सोये हुए अंकुरों में किस प्रकार की चेतना उभरती है ।

(ग) 'उषा' कविता के संदर्भ में लिखिए कि उषा का जादू टूटने से आप क्या समझते हैं ।

11. काव्य खंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में लिखिए : *2×2=4*

(क) बात और भाषा किस प्रकार एक-दूसरे से जुड़ी हुई है ?

(ख) "जग पूछ रहा उनको, जो जग की गाते" — पंक्ति का भाव स्पष्ट कीजिए ।

(ग) "पतंगों के साथ-साथ वे भी उड़ रहे हैं" — कवि ने बच्चों के लिए ऐसा क्यों कहा है ?

12. गद्य खंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए : *2×3=6*

(क) भक्तिन के आ जाने से महादेवी अधिक देहाती कैसे हो गई ?

(ख) 'बाज़ार दर्शन' पाठ के अनुसार बाज़ार को सार्थकता कैसे लोग प्रदान करते हैं ?

(ग) पहलवान की ढोलक मृत गाँव में संजीवनी शक्ति का संचार किस प्रकार करती थी ?

13. गद्य खंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में लिखिए : *2×2=4*

(क) भक्तिन की विमाता ने पिता की बीमारी का समाचार भक्तिन के पास देर से क्यों भेजा होगा ? पाठ के आधार पर लिखिए ।

(ख) डॉ. आंबेडकर ने किन विशेषताओं को आदर्श समाज की धुरी माना है और क्यों ?

(ग) 'शिरीष' की किस विशेषता के कारण लेखक वनस्पतिशास्त्री के कथन को सच मानता है ?

अत्यंत गोपनीय - केवल आंतरिक एवं सीमित प्रयोग हेतु

सीनियर सेकेंडरी स्कूल सर्टिफिकेट, फरवरी - 2023

अंक-योजना - विषय : हिंदी (आधार)

विषय कोड संख्या : 302, प्रश्न-पत्र कोड : 2/1/1, 2/1/2, 2/1/3

सामान्य निर्देश :-

1. परीक्षार्थियों के सही और उचित आकलन के लिए उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन एक महत्त्वपूर्ण प्रक्रिया है। मूल्यांकन में एक छोटी-सी त्रुटि भी गंभीर समस्या को जन्म दे सकती है, जो परीक्षार्थियों के भविष्य, शिक्षा प्रणाली और अध्यापन-व्यवस्था को भी प्रभावित कर सकती है। इससे बचने के लिए अनुरोध किया जाता है कि मूल्यांकन प्रारंभ करने से पूर्व ही आप मूल्यांकन निर्देशों को **पढ़ और समझ** लें।
2. मूल्यांकन नीति एक गोपनीय नीति है, क्योंकि यह आयोजित परीक्षाओं की गोपनीयता, किए गए मूल्यांकन तथा कई अन्य पहलुओं से संबंधित है | इसका किसी भी तरह से सार्वजनिक होना परीक्षा प्रणाली के लिए उपयुक्त नहीं है, जो लाखों परीक्षार्थियों के भविष्य को प्रभावित कर सकता है | इस नीति दस्तावेज़ को किसी से भी साझा करना, किसी पत्रिका में प्रकाशित करना और समाचार पत्र/वेबसाइट आदि में छापना IPC के तहत कार्यवाही को आमंत्रित कर सकता है |
3. मूल्यांकन अंक-योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार ही किया जाना चाहिए, अपनी व्यक्तिगत व्याख्या या किसी अन्य धारणा के अनुसार नहीं। यह अनिवार्य है कि अंक-योजना का अनुपालन पूरी तरह से निष्ठापूर्वक किया जाए। **हालाँकि, मूल्यांकन करते समय नवीनतम सूचना और ज्ञान पर आधारित अथवा नवाचार पर आधारित उत्तरों को उनकी सत्यता और उपयुक्तता को परखते हुए पूरे अंक दिए जाएँ ।**
4. योग्यता आधारित प्रश्नों का मूल्यांकन करते समय कृपया दिए गए उत्तरों को समझें, भले ही उत्तर मार्किंग स्कीम में न हो, छात्रों को उनकी योग्यता के आधार पर अंक दिए जाने चाहिए |
5. अंक योजना में उत्तरों के लिए केवल सुझाए गए मान बिंदु होते हैं | ये केवल दिशा-निर्देशों की प्रकृति के हैं और पूर्ण नहीं हैं | यदि परीक्षार्थियों की अभिव्यक्ति सही है तो उसके अनुसार नियत अंक दिए जाने चाहिए |
6. मुख्य परीक्षक प्रत्येक मूल्यांकनकर्ता के द्वारा पहले दिन जाँची गई पाँच उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन की जाँच ध्यानपूर्वक करें और आश्वस्त हों कि मूल्यांकन-योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार ही मूल्यांकन किया जा रहा है। परीक्षकों को बाकी उत्तर पुस्तिकाएँ तभी दी जाएँ, जब वह आश्वस्त हों कि उनके अंकन में कोई भिन्नता नहीं है।
7. परीक्षक सही उत्तर पर सही का चिह्न (√) लगाएँ और गलत उत्तर पर गलत का (×)। मूल्यांकनकर्ता द्वारा ये चिह्न न लगाने से ऐसा समझ में आता है कि उत्तर सही है, परंतु उस पर अंक नहीं दिए गए। परीक्षकों द्वारा यह त्रुटि सर्वाधिक की जाती है।
8. यदि किसी प्रश्न के उपभाग हों तो कृपया प्रश्नों के उपभागों के उत्तरों पर **दार्यी ओर** अंक दिए जाएँ। बाद में इन उपभागों के अंकों का योग **बायीं ओर** के हाशिये में लिखकर उसे गोलाकृत कर दिया जाए। **इसका अनुपालन दृढ़तापूर्वक किया जाए।**
9. यदि किसी प्रश्न के कोई उपभाग न हों तो बायीं ओर के हाशिये में अंक दिए जाएँ और उन्हें गोलाकृत किया जाए। इसके अनुपालन में भी दृढ़ता का पालन किया जाए।
10. यदि परीक्षार्थी ने किसी प्रश्न का उत्तर दो स्थानों पर लिख दिया है और किसी को काटा नहीं है तो जिस उत्तर पर अधिक अंक प्राप्त हो रहे हों, उस पर अंक दें और दूसरे को काट दें। यदि परीक्षार्थी ने अतिरिक्त प्रश्न/प्रश्नों का उत्तर दे दिया है तो जिन उत्तरों पर अधिक अंक प्राप्त हो रहे हों, उन्हें ही स्वीकार करें, उन्हीं पर अंक दें।

11. एक ही प्रकार की अशुद्धि बार-बार हो तो उसे अनदेखा करें और उस पर हर बार अंक न काटे जाएँ।
12. यहाँ यह ध्यान रखना होगा कि मूल्यांकन में पूर्ण अंक पैमाना 0-80 (उदाहरण 0-80 अंक जैसा कि प्रश्न में दिया गया है) का प्रयोग अभीष्ट है, अर्थात परीक्षार्थी ने यदि सभी अपेक्षित उत्तर-बिंदुओं का उल्लेख किया है तो उसे पूरे अंक देने में संकोच न करें।
13. प्रत्येक परीक्षक को पूर्ण कार्य-अवधि में अर्थात 8 घंटे प्रतिदिन अनिवार्य रूप से मूल्यांकन कार्य करना है । प्रतिदिन मुख्य विषयों की **20** उत्तर-पुस्तिकाएँ तथा अन्य विषयों की 25 उत्तर पुस्तिकाएँ जाँचनी हैं। (विस्तृत विवरण 'स्पॉट गाइडलाइन' में दिया गया है)
14. यह सुनिश्चित करें कि आप निम्नलिखित प्रकार की त्रुटियाँ न करें, जो पिछले वर्षों में की जाती रही हैं -

- उत्तर पुस्तिका में किसी उत्तर या उत्तर के अंश का मूल्यांकन किए बिना छोड़ देना।
- उत्तर के लिए निर्धारित अंकों से अधिक अंक देना।
- उत्तर में दिए गए अंकों का योग ठीक न होना।
- उत्तर पुस्तिका के अंदर दिए गए अंकों का आवरण पृष्ठ पर सही अंतरण न होना।
- आवरण पृष्ठ पर प्रश्नानुसार योग करने में अशुद्धि होना।
- गलत प्रश्नवार आवरण पृष्ठ पर योग।
- आवरण पृष्ठ पर दो स्तंभों के अंकों का योग ठीक न होना।
- योग करने में अंकों और शब्दों में अंतर होना।
- उत्तर पुस्तिकाओं से ऑनलाइन अंकसूची में सही अंतरण न होना।
- कुल अंकों के योग में अशुद्धि होना ।
- उत्तरों पर सही का चिह्न (√) लगाना, किंतु अंक न देना। सुनिश्चित करें कि (√) या **(×)** का उपयुक्त चिह्न ठीक ढंग से और स्पष्ट रूप से लगा हो। यह मात्र एक रेखा के रूप में न हो।
- उत्तर का एक भाग सही और दूसरा गलत हो, किंतु अंक न दिए गए हों।

15. उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करते हुए यदि कोई उत्तर पूर्ण रूप से गलत हो तो उस पर (x) निशान लगाएँ और शून्य (0) अंक दें।
16. उत्तर पुस्तिका में किसी प्रश्न का बिना जाँचे हुए छूट जाना या योग में किसी भूल का पता लगना, मूल्यांकन समिति के सभी लोगों की छवि को और बोर्ड की प्रतिष्ठा को धूमिल करता है।
17. सभी परीक्षक वास्तविक मूल्यांकन कार्य से पहले 'स्पॉट इवैल्यूएशन' के निर्देशों से सुपरिचित हो जाएँ।
18. परीक्षक सुनिश्चित करें कि सभी उत्तरों का मूल्यांकन हुआ है। आवरण पृष्ठ पर तथा योग में कोई अशुद्धि नहीं रह गई है तथा कुल योग को शब्दों और अंकों में लिखा गया है।
19. केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड पुन: मूल्यांकन प्रक्रिया के अंतर्गत परीक्षार्थियों के अनुरोध पर निर्धारित शुल्क भुगतान के बाद उन्हें उत्तर-पुस्तिकाओं की फोटो कॉपी प्राप्त करने की अनुमति देता है। समस्त परीक्षकों / अतिरिक्त मुख्य परीक्षकों / मुख्य परीक्षकों पुनः स्मरण कराया जाता है - वे सुनिश्चित करें कि प्रत्येक उत्तर का मूल्यांकन, मार्किंग स्कीम में दिए मूल बिंदुओं के अनुसार, सख्ती से किया गया है।

सीनियर सेकेंडरी स्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा

फरवरी - 2023

अंक योजना : हिंदी आधार (302) प्रश्न-पत्र गुच्छ संख्या 2/1/1, 2/1/2, 2/1/3

कक्षा : XII

अधिकतम अंक: 80

सामान्य निर्देश

- **अंक योजना का उद्देश्य मूल्यांकन को अधिकाधिक वस्तुनिष्ठ बनाना है।**
- **वर्णनात्मक प्रश्नों के अंक योजना में दिए गए उत्तर बिंदु अंतिम नहीं हैं, बल्कि ये सुझावात्मक एवं सांकेतिक हैं।**
- **यदि परीक्षार्थी इन सांकेतिक बिंदुओं से भिन्न, किन्तु उपयुक्त उत्तर दें, तो उन्हें अंक दिए जाएँ।**
- **मूल्यांकन कार्य निजी व्याख्या के अनुसार नहीं, बल्कि अंक योजना में दिए गए निर्देशानुसार ही किया जाए।**

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ संख्या			उत्तर संकेत /मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/1/1	2/1/2	2/1/3		
				खंड 'अ' **(बहुविकल्पी / वस्तुपरक प्रश्न)**	
1	**1**	**2**	**1**		**10x1=10**
	(i)	**(i)**	**(i)**	(a) जलवायु परिवर्तन से	**1**
	(ii)	**(ii)**	**(ii)**	(c) सोच और व्यवहार में बदलाव	**1**
	(iii)	**(iii)**	**(iii)**	(c) प्रकृति और पर्यावरण	**1**
	(iv)	**(iv)**	**(iv)**	(d) भोजन और स्थिरता प्राप्त हुई	**1**
	(v)	**(v)**	**(v)**	(c) तीसरी	**1**
	(vi)	**(vi)**	**(vi)**	(a) परमाणु बम बनाकर	**1**
	(vii)	**(vii)**	**(vii)**	(b) प्रभुत्व स्थापित करने की इच्छा	**1**
	(viii)	**(viii)**	**(viii)**	(c) प्राकृतिक आपदा	**1**
	(ix)	**(ix)**	**(ix)**	(c) बेहतर जीवन की तलाश	**1**
	(x)	**(x)**	**(x)**	(d) मानवीय गतिविधियाँ	**1**
2	**2**	**1**	**3**	**(क) काव्यांश - एक**	**5x1=5**
	(i)	**(i)**	**(i)**	(b) संकुचित होना	**1**
	(ii)	**(ii)**	**(ii)**	(d) सूर्य को	**1**
	(iii)	**(iii)**	**(iii)**	(b) प्रकाश रूप में	**1**
	(iv)	**(iv)**	**(iv)**	(a) धरती	**1**
	(v)	**(v)**	**(v)**	(c) पृथ्वी	**1**
	अथवा	**अथवा**	**अथवा**	**(ख) काव्यांश - दो**	
	(i)	**(i)**	**(i)**	(a) आत्मदान करना	**1**
	(ii)	**(ii)**	**(ii)**	(d) हरिश्चंद्र	**1**
	(iii)	**(iii)**	**(iii)**	(c) समय	**1**
	(iv)	**(iv)**	**(iv)**	(c) दानी	**1**

	(v)	(v)	(v)	(c) त्याग और दान की महिमा जानने के लिए	1
3	3	3	2		5x1=5
	(i)	(i)	(i)	(a) छापाखाना	1
	(ii)	(ii)	(ii)	(c) इंटरनेट से	1
	(iii)	(iii)	(iii)	(a) वास्तविक घटनाओं से	1
	(iv)	(iv)	(iv)	(c) समाचार लेखन से	1
	(v)	(v)	(v)	(c) सामान्य लेखन से अलग	1
4	4	4	4		5x1=5
	(i)	-	(i)	(b) बच्चों से	1
	-	(i)	-	(a) बच्चों की व्याकुलता के कारण	1
	(ii)	-	(ii)	(d) कोमलता	1
	-	(ii)	-	(d) उसका कोई अपना नहीं हैं	1
	(iii)	-	(iii)	(c) कठिनाइयों को आसान बनाना	1
	-	(iii)	-	(b) माँ की प्रतीक्षा में	1
	(iv)	-	(iv)	(c) चारों तरफ बच्चों की किलकारियों का गूँजना	1
	-	(iv)	-	(d) उत्साह नहीं होना	1
	(v)	-	(v)	(b) लचीलापन	1
	-	(v)	-	(b) उसका अकेलापन	1
5	5	5	5		5x1=5
	(i)	-	(i)	(b) इसे अंधविश्वास मानने के कारण	1
	-	(i)	-	(d) रात का सूनापन	1
	(ii)	-	(ii)	(b) नाराज़गी के कारण	1
	-	(ii)	-	(a) जीने की शक्ति	1
	(iii)	-	(iii)	(c) परंपरा में विश्वास होने के कारण	1
	-	(iii)	-	(c) ऊर्जा का संचार करना	1
	(iv)	-	(iv)	(a) मुहावरा	1
	-	(iv)	-	(a) मृत्यु-भय से मुक्ति दिलवाकर	1
	(v)	-	(v)	(d) लेखक से स्नेह होने के कारण	1
	-	(v)	-	(c) गाँव महामारी की चपेट में था	1
6	6	6	6		10x1=10
	(i)	(i)	(i)	(b) किशन दा से	1
	(ii)	(ii)	(ii)	(d) यादें जुड़ी होने के कारण	1
	(iii)	(iii)	(iii)	(b) विदेशी 'कस्टम' मानने के कारण	1
	(iv)	(iv)	(iv)	(c) शिक्षा के महत्त्व को नहीं समझने से	1
	(v)	(v)	(v)	(d) अपने से कम उम्र और अक्ल के बच्चों के साथ बैठने की मजबूरी के कारण	1
	(vi)	(vi)	(vi)	(d) कौआ	1

	(vii)	(vii)	(vii)	(d) (a) और (b) दोनों	1
	(viii)	(viii)	(viii)	(b) मुअनजो-दड़ो	1
	(ix)	(ix)	(ix)	(c) कोठार होने से	1
	(x)	(x)	(x)	(a) मेलुहा	1
				खंड 'ब' **(वर्णनात्मक प्रश्न)**	
7	**7**	**7**	**7**	**(किसी एक विषय पर रचनात्मक लेख)**	**6**
				प्रारंभ, समापन विषयवस्तु प्रस्तुति भाषा	1 3 1 1
8	**8**	**9**	**8**	**(किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित)**	**2x3=6**
	(क)	(क)	-	• कहानी के मूल संवादों से मेल खाते संवाद • दृश्य अनुसार संवादों की सुनिश्चितता • कथा सूत्र के विकास में सहयोग • बोलचाल की भाषा में छोटे और प्रभावशाली संवाद • पात्रानुरूप भाषा का प्रयोग **(कोई तीन बिंदु अपेक्षित)**	3
	-	-	(क)	• हाँ, कथानक को स्थान, समय के आधार पर दृश्यों में विभाजित किया जाता है • कथानक को विकास और गति प्रदान करते हैं • पात्रों और परिवेश को संवादों के माध्यम से जोड़ते हैं	3
	(ख)	(ख)	-	• रेडियो पूरी तरह श्रव्य माध्यम है • रेडियो नाटक में शब्द और ध्वनि के माध्यम से संप्रेषण होता है • आवाज के माध्यम से ही कहानी, पात्रों का परिचय, द्वंद्व-समाधान संभव • आवाज से ही स्थितियों, चरित्रों तथा भावों का विकास **(कोई तीन बिंदु अपेक्षित)**	3
	-	-	(ख)	रेडियो एक श्रव्य माध्यम, रेडियो नाटक में सीमित समय होता है, अतः कहानी का चयन क्रिया प्रधान न हो, कहानी में पात्र कम हों व कहानी छोटी हो	3

	(ग)	(ग)	-	मुक्त कल्पना की स्वतंत्रता विचारों की मौलिक अभिव्यक्ति चिंतन-मनन करने की स्वतंत्रता विविध विषयों के समायोजन हेतु **(कोई तीन बिंदु अपेक्षित)**	**3**
	-	-	(ग)	लेखन का बुनियादी नियम आपस में खंडन करती दो बातें लेखन/अभिव्यक्ति का दोष लेखन में विचारों का प्रभाव तथा सुसंबद्ध रहने से स्पष्टता	**3**
9	**9**	**8**	**9**	**(किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित)**	**4x2=8**
	(क)	(क)	-	जनसंचार का ऐसा माध्यम, जो छपे हुए रूप में उपलब्ध हो, जैसे समाचार-पत्र, पत्रिकाएँ **विशेषता -** शब्दों में स्थायित्व विषय का लिखित विस्तार सुविधानुसार पढ़ने का लाभ चिंतन-मनन व विचार विश्लेषण का माध्यम अगली पीढ़ी को हस्तांतरण संभव प्रमाण-स्वरूप प्रस्तुत करने की सुविधा **(कोई दो बिंदु अपेक्षित)**	**2+2=4**
	-	-	(क)	**क्षेत्र** - कृषि, खेल, विज्ञान, अर्थ-व्यापार, शिक्षा, पर्यावरण आदि **(किन्हीं दो क्षेत्रों की आवश्यकता पर विचाराभिव्यक्ति एवं विस्तार अपेक्षित)**	**2+2=4**
	(ख)	(ख)	-	क्या, किसके या कौन, कहाँ, कब, क्यों, कैसे छः ककार के रूप मे मुखड़े में चार ककार - क्या, कौन, कहाँ और कब बॉडी और समापन में दो ककार - क्यों और कैसे	**1+1+2=4**
	-	-	(ख)	उलटा पिरामिड शैली का प्रयोग न होना	**4**

				• भाषा में समाचारों की सपाटबयानी न होना • फीचर का किसी भी विषय पर आधारित होना (विषय - क्षेत्र की व्यापकता) • प्रारंभ, मध्य और अंत कहीं से भी शुरू करना • शब्द-सीमा न होना **(कोई चार बिंदु अपेक्षित)**	
(ग)	**(ग)**	**-**		**<u>पत्रकारीय लेखन</u> -** पाठकों, दर्शकों और श्रोताओं तक सूचनाएँ पहुँचाने के लिए लेखन के विभिन्न रूप पत्रकारीय लेखन कहलाते हैं । **पत्रकार के तीन प्रकार होते हैं -** पूर्णकालिक, अंशकालिक और स्वतंत्र (फ्रीलांसर) **पूर्णकालिक पत्रकार -** किसी समाचार संगठन के नियमित वेतनभोगी **स्वतंत्र पत्रकार -** भुगतान के आधार पर अलग-अलग समाचार पत्र के लिए कार्य करने वाले	**2+1+1=4**
-	**-**	**(ग)**		**एंकर विजुअल -** घटना के वे दृश्य या विजुअल हैं, जिनके आधार पर एंकर द्वारा पढ़ी जाने वाली खबरें लिखी जाती हैं । **एंकर बाइट -** समाचारों की प्रामाणिकता हेतु प्रत्यक्षदर्शियों का कथन **एंकर पैकेज -** खबर को दृश्य, बाइट और ग्राफिक्स के जरिए संपूर्णता से पेश करना • इनका संबंध टी.वी. खबरों के विभिन्न चरणों से है	**1+1+1+1=4**
10	**10**	**10**	**10**	**(किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित)**	**3x2=6**
	(क)	**(क)**	**(क)**	• अपने बड़े भाई रावण द्वारा किए गए दुष्कृत्य के कारण • सीता की वास्तविकता को समझने के कारण • रावण की नासमझी के कारण लंका के विनाश की कल्पना कर	**3**
	(ख)	**(ख)**	**(ख)**	• नमी, ऊर्जा और शक्ति का संचार • उम्मीद की किरणों का अहसास • जीवन में परिवर्तन की आशा	**3**

	(ग)	**(ग)**	**(ग)**	उषा का जादू टूटने का अर्थ है - उषा का वह अद्भुत, मनोहारी दृश्य धीरे-धीरे समाप्त हो जाना, जो सूर्योदय के ठीक पहले आकाश में उपस्थित था, जैसे : पल-पल परिवर्तित स्वरूप पवित्रता, निर्मलता और उज्ज्वलता	**3**
11	**11**	**11**	**12**	**(किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित)**	**2x2=4**
	(क)	**-**	**(क)**	चिड़िया की शक्ति और सीमा निश्चित कविता की उड़ान असीमित, देशकाल की सीमा से परे	**2**
		(क)		भाषा बात (कथ्य) कहने का माध्यम विचारों को भाषा द्वारा अभिव्यक्त करना हर बात के लिए कुछ खास शब्द निश्चित होते हैं बात का भाषा के प्रयोग से प्रभावशाली / प्रभावहीन होना **(कोई दो बिंदु अपेक्षित)**	**2**
	(ख)	**-**	**(ख)**	घर लौटने की जल्दी बच्चों की चिंता दिन का ढलना **(कोई दो बिंदु अपेक्षित)**	**2**
	-	**(ख)**	**-**	**भाव -** यह संसार उन्हीं लोगों को पूछता है, जो उसके अनुसार चलते हैं और उसका गुणगान करते हैं संसार प्रेम पर नहीं स्वार्थ पर आधारित	**2**
	(ग)	**-**	**(ग)**	अमानवीयता और हृदयहीनता करुणा का बाजारीकरण संवेदनहीनता **(कोई दो बिंदु अपेक्षित)**	**2**
	-	**(ग)**	**-**	पतंगों के साथ बच्चों के मन का उड़ना बच्चों का उत्साहित होना पतंग के साथ बच्चों के मन का अटूट संबंध पतंग के माध्यम से आकाश की ऊँचाइयों को छूने	**2**

				का प्रयास **(कोई दो बिंदु अपेक्षित)**	
12	**12**	**12**	**11**	**(किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित)**	**2x3=6**
	(क)	**(क)**	**(क)**	• देहात के खान-पान, रहन-सहन का ज्ञान • भक्तिन की देहाती परंपराओं को मानने की विवशता • भक्तिन की भाषा और उसमें आने वाली अनेक दंत कथाओं का कंठस्थीकरण **(एक उदाहरण अपेक्षित)**	**3**
	(ख)	**(ख)**	**(ख)**	• अपनी जरूरत के अनुसार सामान खरीदने वाले • बाज़ार की चकाचौंध से भ्रमित न होने वाले • भरे मन से बाजार जाने वाले • मन से संतुष्ट होने वाले • भगत जी जैसे निर्लिप्त लोग **(कोई तीन बिंदु अपेक्षित)**	**3**
	(ग)	**(ग)**	**(ग)**	• स्पंदन, शक्ति-शून्य स्नायुओं में बिजली दौड़ जाना • शक्तिहीन आँखों में दंगल का दृश्य • आँखें मूदते समय कोई तकलीफ न होना • मन से मृत्यु का भय दूर होना **(कोई तीन बिंदु अपेक्षित)**	**3**
13	**13**	**13**	**13**	**(किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित)**	**2x2=4**
	(क)	**-**	**-**	• इतने मजबूत कि नए फूलों के निकल आने पर भी अपना स्थान नहीं छोड़ना • वसंत आगमन पर भी शाखाओं पर खड़खड़ाते रहना • कालजयी अवधूत की भाँति जीवन की अजेयता का प्रचार करना **(कोई दो बिंदु अपेक्षित)**	**2**
	-	**(क)**	**-**	• पिता का पुत्री के प्रति अगाध प्रेम • पिता द्वारा भक्तिन को संपत्ति में हिस्सा देने के डर / ईर्ष्या से	**2**

	-	-	(क)	• भाग्य ने नाम को सार्थक नहीं रहने दिया • लक्ष्मी नाम धन, संपन्नता का सूचक, लेकिन भक्तिन की विपरीत स्थिति • नाम और वास्तविक जीवन में विरोधाभास **(कोई दो बिंदु अपेक्षित)**	**2**
	(ख)	-	-	मनुष्य की इच्छा/रुचि को महत्त्व न दिए जाने के कारण विवशतावश कार्य को करना और कुशलता प्राप्त न होना • देश की अर्थव्यवस्था पर अप्रत्यक्ष रूप से प्रभाव पड़ना । • विपरीत परिस्थितियों में व्यवसाय बदलने की स्वतंत्रता न होने के कारण भूखे मरने की नौबत आना । **(कोई दो बिंदु अपेक्षित)**	**2**
	-	**(ख)**	-	• स्वतंत्रता, समता तथा भ्रातृत्व • **कारण -** जब तक समाज के प्रत्येक वर्ग को समानता और भाईचारे के साथ अपनी शक्ति के सक्षम और प्रभावशाली उपयोग की स्वतंत्रता नहीं होगी, समाज का विकास नहीं होगा ।	**1+1=2**
	-	-	**(ख)**	• पानी की निर्मम बर्बादी • पानी की कमी होने पर भी बाल्टी भर-भरकर मेंढक मंडली पर पानी उड़ेलना • अंधविश्वासी होना • मेघों के बरसने की आशा में पानी बहाना **(कोई दो बिंदु अपेक्षित)**	**2**
	(ग)	-	-	• भक्तिन का जीवन परेशानियों से घिरा • बचपन में माँ का छिन जाना • विमाता का दुर्व्यवहार • जेठानियों द्वारा सताया जाना • बेटी का कम उम्र मे विधवा हो जाना • पंचायत द्वारा विधवा बेटी पर जबरन पति थोपा जाना	**2**

				(कोई दो बिंदु अपेक्षित)	
	-	(ग)	-	- मौसम की मार से परे रह आठों याम मस्त रहना - वायुमंडल से रस खींचना - हमेशा हरा-भरा रहना **(कोई दो बिंदु अपेक्षित)**	2
	-	-	(ग)	- पलाश के फूलों का कम अवधि के लिए खिलना और शिरीष का वसंत आगमन से लेकर आषाढ़ मास तक फूलों से लदे रहना - लेखक का भी कबीरदास की तरह क्षणिक सौंदर्य का प्रेमी न होना	2

****